NEXT IAS
BIG LEARNINGS MADE EASY

UPPCS

UPPSC मुख्य परीक्षा टेस्ट सीरीज़ के साथ मेंटरशिप कार्यक्रम बैच-II

12 जनवरी, 2025 से प्रारंभ

हिंदी माध्यम/English Medium में उपलब्ध | मोड: ऑफ़लान/ऑनलाइन

कार्यक्रम की विशेषताएँ

16 संपूर्ण पाठ्यक्रम टेस्ट (FLTs) के माध्यम से पाठ्यक्रम का व्यापक कवरेज

16 व्यापक संपूर्ण पाठ्यक्रम टेस्ट (FLTs) के माध्यम से पाठ्यक्रम में निपुणता हासिल कीजिए, जो सभी प्रमुख विषयों को समाविष्ट करने एवं गहन समझ सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है, जिससे UPPSC मुख्य परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन का मार्ग प्रशस्त होगा।

16 संपूर्ण पाठ्यक्रम टेस्ट (FLTs) में निम्नलिखित शामिल होंगे:

- 12 संपूर्ण पाठ्यक्रम टेस्ट (GS 1 से 6 तक प्रत्येक पेपर हेतु 2 टेस्ट)
- 2 निबंध टेस्ट
- 2 सामान्य हिंदी विषय का टेस्ट

पोस्ट टेस्ट मेंटरशिप

प्रत्येक टेस्ट के पश्चात, हमारे पोस्ट-टेस्ट मेंटरशिप कार्यक्रम के माध्यम से व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, जो आपको सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और मुख्य परीक्षा उत्तर लेखन में निपुणता हासिल करने के लिए रणनीति विकसित करने में मदद करेगा। प्रमुख घटकों में शामिल हैं:

- मॉडल उत्तर के साथ प्रत्येक टेस्ट का कक्षा में व्यापक चर्चा
- प्रत्येक मूल्यांकित कॉपी पर व्यक्तिगत चर्चा
- सपूर्ण कार्यक्रम अवधि के दौरान विशेषज्ञ परामर्श एवं मार्गदर्शन

समयबद्ध मूल्यांकन

हमारी समयबद्ध मूल्यांकन प्रणाली के माध्यम से समय पर एवं सटीकता के साथ आपके प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा, इससे अनुशासित शिक्षण, समय पर फ़ीडबैक और निरंतर प्रदर्शन में सुधार को बढ़ावा मिलेगा, जिससे आप UPPSC मुख्य परीक्षा के लिए तैयार हो सकेंगे।

मॉडल उत्तर

प्रत्येक परीक्षा के लिए मॉडल उत्तर प्रदान किए जाएँगे जो प्रश्नों से संबंधित सर्वोत्तम दृष्टिकोण को प्रदर्शित करेंगे। ये मॉडल उत्तर आपको UPPSC मुख्य परीक्षा में अंक और प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी संरचना, भाषा एवं आवश्यक बिंदुओं पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

सर्वोत्कृष्ट कॉपी

सर्वोत्कृष्ट कॉपी अपलोड की जाएँगी जो पिअर टू पिअर लर्निंग में मदद करेंगी।

कार्यक्रम की अवधि | 12 जनवरी 2025 – 30 मार्च 2025

UPPSC मुख्य परीक्षा टेस्ट सीरीज़ के साथ मेंटरशिप कार्यक्रम बैच-II

टेस्ट्स	प्रश्नों की संख्या	ऑफलाइन/ऑनलाइन शुल्क
16 संपूर्ण पाठ्यक्रम टेस्ट्स	20	₹ 9,000 (GST सहित)

टेस्ट ऑफ़लाइन केंद्र: दिल्ली (ओल्ड राजेंद्र नगर, मुखर्जी नगर)/प्रयागराज

दिल्ली केंद्र :
विवेकानंद हाउस : 6-B, पूसा रोड,
मेट्रो पिलर नंबर 111, करोल बाग
मेट्रो स्टेशन के निकट, नई दिल्ली - 60
फ़ोन:: 8081300200

मुखर्जी नगर :
1422 मेन मुखर्जी नगर रोड,
बत्रा सिनेमा के पास, नई दिल्ली-09
फ़ोन: : 9311667076

प्रयागराज केंद्र:
31/31 सरदार पटेल मार्ग,
सिविल लाइन्स प्रयागराज,
उत्तर प्रदेश - 211001
फ़ोन:: 9958857757

जयपुर केंद्र:
6 एवं 7, श्री गोपाल नगर,
गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर, राजस्थान- 302015
फ़ोन:: 9358200511

UPPSC मुख्य परीक्षा टेस्ट सीरीज के साथ मेंटरशिप कार्यक्रम बैच-II 2025

तिथि	टेस्ट	पाठ्यक्रम
12 जनवरी 2025	**FLT 1 (Full GS 1)**	1. भारतीय संस्कृति के इतिहास में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला-रूप, साहित्य एवं वास्तुकला के महत्त्वपूर्ण पहलू शामिल होंगे। 2. **आधुनिक भारतीय इतिहास (1757 ई. से 1947 ई. तक)**-महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व एवं मुद्दे इत्यादि। 3. **स्वतंत्रता संग्राम**- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान। 4. स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन (1965 ई. तक)। 5. विश्व के इतिहास में 18वीं सदी से बीसवीं सदी के मध्य तक की घटनाएँ जैसे फ्रांसीसी क्रांति 1789, औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन जैसे साम्यवाद, पूँजीवाद, समाजवाद, नाजीवाद, फासीवाद इत्यादि के रूप और समाज पर उनके प्रभाव इत्यादि शामिल होंगे। 6. भारतीय समाज एवं संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ। 7. महिला-समाज और महिला-संगठनों की भूमिका, जनसंख्या तथा संबद्ध समस्याएँ, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ एवं समाधान। 8. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण का अभिप्राय तथा उनका भारतीय समाज के अर्थव्यवस्था, राज्यव्यवस्था एवं समाज की संरचना पर प्रभाव। 9. सामाजिक सशक्तीकरण, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता। 10. **विश्व के प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण**- जल, मृदा और वन, दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व-एशिया में (भारत के विशेष संदर्भ में)। 11. **भौतिक भूगोल की प्रमुख विशिष्टताएँ**- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी क्रियाएँ, चक्रवात, समुद्री जल धाराएँ, पवन एवं हिमनद। 12. भारत के सामुद्रिक संसाधन एवं उनकी संभाव्यता। 13. मानव प्रवास- विश्व की शरणार्थी समस्या - भारत उपमहाद्वीप के संदर्भ में। 14. सीमांत एवं सीमाएँ- भारत उपमहाद्वीप के संदर्भ में। 15. जनसंख्या एवं अधिवास- प्रकार एवं प्रतिरूप, नगरीकरण, स्मार्ट नगर और स्मार्ट ग्राम।
19 जनवरी 2025	**FLT 2 (Full GS 2)**	1. **भारतीय संविधान**- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान एवं आधारभूत संरचना। संविधान के आधारभूत प्रावधानों के विकास में उच्चतम न्यायालय की भूमिका। 2. संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण एवं उसकी चुनौतियाँ। 3. केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों में वित्त आयोग की भूमिका। 4. शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थाएँ। वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों का उदय एवं उनका प्रयोग। 5. भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के साथ तुलना। 6. **संसद और राज्य की विधायिका**- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार तथा संबंधित विषय। 7. **कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन एवं कार्य**- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। जनहित याचिका (PIL)। 8. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ। 9. विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, शक्तियाँ, कार्य एवं उनके उत्तरदायित्व। 10. **सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय, नीति आयोग सहित**- उनकी विशेषताएँ एवं कार्यप्रणाली। 11. सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये हस्तक्षेप, उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) 12. विकास प्रक्रियाएँ- गैर सरकारी संगठनों (NGOs), स्वयं सहायता समूहों (SHGs), विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्त्ताओं, लोकोपचारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका। 13. केंद्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय। 14. स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय। 15. गरीबी और भूख से संबंधित विषय एवं राजनीतिक व्यवस्था के लिये इनका निहितार्थ। 16. शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष, **ई-गवर्नेंस**-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ, नागरिक चार्टर; पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय। 17. लोकतंत्र में उभरती हुई प्रवृत्तियों के संदर्भ में सिविल सेवाओं की भूमिका। 18. भारत एवं अपने पड़ोसी देशों से उसके संबंध। 19. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार। 20. भारत के हितों एवं अप्रवासी भारतीयों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव। 21. **महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच**- उनकी संरचना, अधिदेश तथा उनका कार्यभाग। 22. क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के समसामयिक घटनाक्रम।

तिथि	टेस्ट	पाठ्यक्रम
27 जनवरी 2025	**FLT 3 (Full GS 3)**	1. भारत में आर्थिक नियोजन, उद्देश्य एवं उपलब्धियाँ, नीति (NITI) आयोग की भूमिका, सतत् विकास के लक्ष्य (SDGs)। 2. गरीबी के मुद्दे, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास। 3. सरकार के बजट के अवयव तथा वित्तीय प्रणाली। 4. प्रमुख फसलें, विभिन्न प्रकार की सिंचाई विधि एवं सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पादन का भंडारण, ढुलाई एवं विपणन, किसानों की सहायता हेतु ई-तकनीकी। 5. अप्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष कृषि अनुदान तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़े मुद्दे, सार्वजनिक वितरण प्रणाली-उद्देश्य, क्रियान्वयन, परिसीमाएँ, सुदृढ़ीकरण खाद्य सुरक्षा एवं बफर भंडार, कृषि में तकनीकी अभियान। 6. भारत में खाद्य प्रसंस्करण व संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान निर्धारण, उर्ध्व व अधोप्रवाह आवश्यकताएँ, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन। 7. भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् भूमि सुधार। 8. भारत में वैश्वीकरण तथा उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा इनके औद्योगिक विकास पर प्रभाव। 9. **आधारभूत संरचना:** ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन तथा रेलवे आदि। 10. **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी**- विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा में, भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति का दैनिक जीवन में अनुप्रयोग। 11. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ, प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण। नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास, प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण, द्विअनुप्रयोगी एवं तकनीकि उपयोगी प्रौद्योगिकियाँ। 12. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर, ऊर्जा स्रोतों, नैनो प्रौद्योगिकी सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव प्रौद्यागिकी क्षेत्र में जागरूकता। बौद्धिक संपदा अधिकारों एवं डिजिटल अधिकारों से संबंधित मुद्दे। 13. पर्यावरणीय सुरक्षा एवं पारिस्थितिकी तंत्र, वन्य जीवन संरक्षण, जैव विविधता, पर्यावरणीय प्रदूषण एवं क्षरण, पर्यावरणीय संघात आकलन। 14. **आपदा:** गैर-पारंपरिक सुरक्षा एवं संरक्षा की चुनौती के रूप में, आपदा शमन एवं प्रबंधन। 15. **अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ**- आणविक प्रसार के मुद्दे, अतिवाद के कारण तथा प्रसार, संचार तंत्र, मीडिया की भूमिका तथा सामाजिक नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा के आधार, मनी लाउंडरिंग (धन शोधन) तथा मानव तस्करी। 16. भारत की आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियाँ- आतंकवाद, भ्रष्टाचार, बगावत तथा संगठित अपराध। 17. सुरक्षा बलों की भूमिका, प्रकार तथा शासनाधिकार, भारत का उच्च रक्षा संगठन। 18. कृषि, बागवानी, वानिकी एवं पशुपालन के मुद्दे।
2 फरवरी 2025	**FLT 4 (Full GS 4)**	1. **नीतिशास्त्र तथा मानवीय अंत:संबंध:** मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सारतत्त्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम, निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र। **मानवीय मूल्य**-महान नेताओं, सुधारकों और प्रशंसकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा, मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका। 2. **अभिवृत्ति:** अंतर्वस्तु (कंटेंट), संरचना, कार्य, विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध, नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि, सामाजिक प्रभाव और सहमति पैदा करना। 3. सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा गैर-तरफदारी, वस्तुनिष्ठता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा करुणा। 4. **संवेगात्मक बुद्धि:** अवधारणाएँ तथा आयाम, प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनकी उपयोगिता और प्रयोग। 5. भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों का योगदान। 6. **लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र:** स्थिति तथा समस्याएँ, सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक सरोकार तथा दुविधाएँ, नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, नियमन तथा अंतर्रात्मा, जवाबदेही तथा नैतिक शासन व्यवस्था में नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे, कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था। 7. **शासन व्यवस्था में ईमानदारी:** लोक सेवा की अवधारणा, शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक-निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ। 8. उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)।
5 फरवरी 2025	**FLT 5 (निबंध)**	निबंध के प्रश्न-पत्र में तीन खंड होंगे। अभ्यर्थियों को प्रत्येक खंड से एक-एक विषय पर 700 शब्दों में निबंध लिखना होगा। प्रत्येक खंड 50-50 अंकों का होगा। तीनों खंडों में निम्नलिखित विषयों पर आधारित निबंध के प्रश्न होंगे: **खंड (क):** 1. साहित्य और संस्कृति 2. सामाजिक क्षेत्र 3. राजनीतिक क्षेत्र **खंड (ख):** 1. विज्ञान, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी 2. आर्थिक क्षेत्र 3. कृषि, उद्योग एवं व्यापार **खंड (ग):** 1. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम 2. **प्राकृतिक आपदाएँ:** भू-स्खलन भूकंप, बाढ़, सूखा आदि। 3. राष्ट्रीय विकास योजनाएँ एवं परियोजनाएँ

तिथि	टेस्ट	पाठ्यक्रम
9 फरवरी 2025	**FLT 6 (Full Paper-5 UP Special Paper 1**	1. उत्तर प्रदेश का इतिहास, सभ्यता, संस्कृति एवं प्राचीन नगर। 2. उत्तर प्रदेश की वास्तुकला, उसकी महत्ता एवं रख-रखाव, संग्रहालय, अभिलेखागार एवं पुरातत्व। 3. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में 1857 से पहले एवं बाद में उत्तर प्रदेश का योगदान। 4. उत्तर प्रदेश के सुविख्यात स्वतंत्रता सेनानी एवं व्यक्तित्व। 5. **उत्तर प्रदेश में ग्रामीण, शहरी एवं जनजातीय मुद्दे :** सामाजिक संरचना, त्योहार, मेले, संगीत, लोकनृत्य, भाषा एवं साहित्य / बोली, सामाजिक प्रथाएँ एवं पर्यटन। 6. **उत्तर प्रदेश की राजव्यवस्था**- शासन प्रणाली, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, विधान सभा एवं विधान परिषद, केंद्र-राज्य संबंध। 7. उत्तर प्रदेश में लोक सेवाएँ, लोक सेवा आयोग, लेखा परीक्षा, महान्यायवादी, उच्च्च न्यायालय एवं उसका अधिकार क्षेत्र। 8. उत्तर प्रदेश विशेष राज्य चयन मानदंड, राजभाषा, संचित निधि एवं आकस्मिक निधि, राजनीतिक दल एवं राज्य निर्वाचन आयोग। 9. **उत्तर प्रदेश में स्थानीय स्वशासन :** शहरी एवं पंचायती राज, लोकनीति, अधिकार संबंधी मुद्दे। 10. उत्तर प्रदेश सुशासन, भ्रष्टाचार निवारण, लोकायुक्त, सिटीजन चार्टर, ई-गवर्नेंस, सूचना का अधिकार, समाधान योजना। 11. उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार एवं इसका प्रभाव। 12. उत्तर प्रदेश में सुरक्षा से जुड़े मुद्दे- (i) उग्रवाद के प्रसार एवं विकास के बीच संबंध (ii) बाह्य, राज्य एवं अंतर राज्यीय सक्रियकों से आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौतियाँ पैदा करने में संचार नेटवर्कों, मीडिया एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स की भूमिका। (iii) साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियम, कालेधन को वैध बनाना एवं इसकी रोकथाम। (iv) विभिन्न सुरक्षा बल एवं एजेंसियाँ और उनके शासनादेश/ अधिकार-पत्र। (v) सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन, संगठित अपराधों का आंतकवाद से संबंध। 13. उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था एवं नागरिक अधिकार सुरक्षा। 14. उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय मुद्दे। 15. उत्तर प्रदेश में शिक्षा प्रणाली। 16. भारत के विकास में उत्तर प्रदेश की भूमिका। 17. उत्तर प्रदेश की समसामयिक घटनाएँ। 18. जल शक्ति मिशन एवं अन्य केंद्रीय योजनायें एवं उनका क्रियान्वयन। 19. **उत्तर प्रदेश में गैर सरकारी संगठन (NGOs):** मुद्दे, योगदान एवं प्रभाव। 20. **उत्तर प्रदेश में पर्यटन:** मुद्दे एवं संभावनाएँ। 21. **उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार :** इसके मुद्दे एवं इसका समाज में रोजगार एवं सामाजिक-आर्थिक विकास पर प्रभाव।
16 फरवरी 2025	**FLT 7 (Full Paper-6 UP Special Paper 2)**	1. **उत्तर प्रदेश का आर्थिक परिदृश्य:** अर्थव्यवस्था एवं राज्य बजट की मुख्य विशेषताएँ, बुनियादी ढाँचा एवं भौतिक संसाधनों का महत्त्व। 2. उत्तर प्रदेश का व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग। 3. उत्तर प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाएँ, परियोजनाएँ एवं नियोजित विकास, मानव संसाधन एवं कौशल विकास। 4. उत्तर प्रदेश में निवेश मुद्दे एवं प्रभाव। 5. उत्तर प्रदेश की लोक वित्त एवं राजकोषीय नीति, कर एवं आर्थिक सुधार, एक जिला एक उत्पाद नीति। 6. उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा एवं गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की योजना एवं प्रबंधन। 7. उत्तर प्रदेश की जनांकिकी, जनसंख्या एवं जनगणना। 8. उत्तर प्रदेश में कृषि का व्यावसायीकरण एवं कृषि फसलों का उत्पादन। 9. उत्तर प्रदेश की नवीन वानिकी नीति। 10. उत्तर प्रदेश की कृषि एवं सामाजिक वानिकी। 11. उत्तर प्रदेश में कृषि विविधता, कृषि की समस्याएँ एवं उनका समाधान। 12. उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विकासीय सूचकांक। 13. **उत्तर प्रदेश का भूगोल:** भौगोलिक स्थिति, उच्चावच एवं संरचना, जलवायु, सिंचाई, खनिज, अपवाह प्रणाली एवं वनस्पति। 14. उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभ्यारण्य। 15. उत्तर प्रदेश में परिवहन तंत्र। 16. उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास, शक्ति संसाधन एवं अधोसंरचना। 17. उत्तर प्रदेश में प्रदूषण एवं पर्यावरण के मुद्दे, प्रदूषण नियंत्रण परिषद एवं इनके कार्य। 18. **उत्तर प्रदेश के प्राकृतिक संसाधन:** मृदा, जल, वायु, वन, घास-मैदान, आद्रभूमि। 19. उत्तर प्रदेश के जलवायु परिवर्तन एवं मौसम पूर्वानुमान से संबंधित मुद्दे। 20. **उत्तर प्रदेश के संदर्भ में अधिवास पारिस्थितिकी तंत्र**- संरचना एवं कार्य, समायोजन, जीव-जंतु एवं वनस्पतियाँ। 21. उत्तर प्रदेश में विज्ञान एवं तकनीक के मुद्दे, प्रसार एवं प्रयत्न। 22. उत्तर प्रदेश में जलीय कृषि, अंगूर की खेती, रेशम उत्पादन, पुष्प उत्पादन, बागवानी, वृक्षारोपण संस्कृति और उत्तर प्रदेश के विकास पर इनका प्रभाव। 23. उत्तर प्रदेश के विकास के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) का विकास।

तिथि	टेस्ट	पाठ्यक्रम
19 फरवरी 2025	**FLT 8 (सामान्य हिंदी)**	दिये हुए गद्य खण्ड का अवबोध एवं प्रश्नोत्तर। • संक्षेपण। • सरकारी एवं अर्धसरकारी पत्र लेखन, तार लेखन, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, परिपत्र। • **शब्द ज्ञान एवं प्रयोग**- (अ) उपसर्ग एवं प्रत्यय प्रयोग, (ब) विलोम शब्द, (स) वाक्यांश के लिए एकशब्द, (द) वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि, • लोकोक्ति एवं मुहावरे।
26 फरवरी 2025	**FLT 9 (Full GS 1)**	1. भारतीय संस्कृति के इतिहास में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला-रूप, साहित्य एवं वास्तुकला के महत्त्वपूर्ण पहलू शामिल होंगे। 2. आधुनिक भारतीय इतिहास (1757 ई. से 1947 ई. तक)- महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व एवं मुद्दे इत्यादि। 3. स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान। 4. स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन (1965 ई. तक)। 5. विश्व के इतिहास में 18वीं सदी से बीसवीं सदी के मध्य तक की घटनाएँ जैसे फ्रांसीसी क्रांति 1789, औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुन: सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन जैसे साम्यवाद, पूँजीवाद, समाजवाद, नाजीवाद, फासीवाद इत्यादि के रूप और समाज पर उनके प्रभाव इत्यादि शामिल होंगे। 6. भारतीय समाज एवं संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ। 7. महिला-समाज और महिला-संगठनों की भूमिका, जनसंख्या तथा संबद्ध समस्याएँ, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ एवं समाधान। 8. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण का अभिप्राय तथा उनका भारतीय समाज के अर्थव्यवस्था, राज्यव्यवस्था एवं समाज की संरचना पर प्रभाव। 9. सामाजिक सशक्तीकरण, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता। 10. **विश्व के प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण**- जल, मृदा और वन, दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व-एशिया में (भारत के विशेष संदर्भ में)। 11. **भौतिक भूगोल की प्रमुख विशिष्टताएँ**- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी क्रियाएँ, चक्रवात, समुद्री जल धाराएँ, पवन एवं हिमनद। 12. भारत के सामुद्रिक संसाधन एवं उनकी संभाव्यता। 13. **मानव प्रवास**- विश्व की शरणार्थी समस्या-भारत उपमहाद्वीप के संदर्भ में। 14. **सीमांत एवं सीमाएँ**- भारत उपमहाद्वीप के संदर्भ में। 15. **जनसंख्या एवं अधिवास**- प्रकार एवं प्रतिरूप, नगरीकरण, स्मार्ट नगर और स्मार्ट ग्राम।
2 मार्च 2025	**FLT 10 (Full GS 2)**	1. भारतीय संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान एवं आधारभूत संरचना। संविधान के आधारभूत प्रावधानों के विकास में उच्चतम न्यायालय की भूमिका। 2. संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण एवं उसकी चुनौतियाँ। 3. केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों में वित्त आयोग की भूमिका। 4. शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थाएँ। वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों का उदय एवं उनका प्रयोग। 5. भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के साथ तुलना। 6. **संसद और राज्य की विधायिका**- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार तथा संबंधित विषय। 7. **कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन एवं कार्य**- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। जनहित याचिका (PIL)। 8. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ। 9. विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, शक्तियाँ, कार्य एवं उनके उत्तरदायित्व। 10. सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय, नीति आयोग सहित- उनकी विशेषताएँ एवं कार्यप्रणाली। 11. सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये हस्तक्षेप, उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) 12. विकास प्रक्रियाएँ-गैर सरकारी संगठनों (NGOs), स्वयं सहायता समूहों (SHGs), विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्त्ताओं, लोकोपचारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका। 13. केंद्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय। 14. स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय। 15. गरीबी और भूख से संबंधित विषय एवं राजनीतिक व्यवस्था के लिये इनका निहितार्थ। 16. शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष, **ई-गवर्नेंस**-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय। 17. लोकतंत्र में उभरती हुई प्रवृत्तियों के संदर्भ में सिविल सेवाओं की भूमिका। 18. भारत एवं अपने पड़ोसी देशों से उसके संबंध। 19. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार। 20. भारत के हितों एवं अप्रवासी भारतीयों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव। 21. **महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच**- उनकी संरचना, अधिदेश तथा उनका कार्यभाग। 22. क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के समसामयिक घटनाक्रम।

तिथि	टेस्ट	पाठ्यक्रम
6 मार्च 2025	**FLT 11 (Full GS 3)**	1. भारत में आर्थिक नियोजन, उद्देश्य एवं उपलब्धियाँ, नीति (NITI) आयोग की भूमिका, सतत् विकास के लक्ष्य (SDGs)। 2. गरीबी के मुद्दे, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास। 3. सरकार के बजट के अवयव तथा वित्तीय प्रणाली। 4. प्रमुख फसलें, विभिन्न प्रकार की सिंचाई विधि एवं सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पादन का भंडारण, ढुलाई एवं विपणन, किसानों की सहायता हेतु ई-तकनीकी। 5. अप्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष कृषि अनुदान तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़े मुद्दे, सार्वजनिक वितरण प्रणाली-उद्देश्य, क्रियान्वयन, परिसीमाएँ, सुदृढ़ीकरण खाद्य सुरक्षा एवं बफर भंडार, कृषि में तकनीकी अभियान। 6. **भारत में खाद्य प्रसंस्करण व संबंधित उद्योग**- कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान निर्धारण, उर्ध्व व अधोप्रवाह आवश्यकताएँ, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन। 7. भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् भूमि सुधार। 8. भारत में वैश्वीकरण तथा उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा इनके औद्योगिक विकास पर प्रभाव। 9. **आधारभूत संरचना:** ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन तथा रेलवे आदि। 10. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा में, भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति का दैनिक जीवन में अनुप्रयोग। 11. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ, प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण। नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास, प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण, द्विअनुप्रयोगी एवं तकनीकि उपयोगी प्रौद्योगिकियाँ। 12. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर, ऊर्जा स्रोतों, नैनो प्रौद्योगिकी सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव प्रौद्यागिकी क्षेत्र में जागरूकता। बौद्धिक संपदा अधिकारों एवं डिजिटल अधिकारों से संबंधित मुद्दे। 13. पर्यावरणीय सुरक्षा एवं पारिस्थितिकी तंत्र, वन्य जीवन संरक्षण, जैव विविधता, पर्यावरणीय प्रदूषण एवं क्षरण, पर्यावरणीय संघात आंकलन। 14. **आपदा:** गैर-पारंपरिक सुरक्षा एवं संरक्षा की चुनौती के रूप में, आपदा शमन एवं प्रबंधन। 15. **अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ**- आणविक प्रसार के मुद्दे, अतिवाद के कारण तथा प्रसार, संचार तंत्र, मीडिया की भूमिका तथा सामाजिक नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा के आधार, मनी लाउंडरिंग (धन शोधन) तथा मानव तस्करी। 16. भारत की आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियाँ- आतंकवाद, भ्रष्टाचार, बगावत तथा संगठित अपराध। 17. सुरक्षा बलों की भूमिका, प्रकार तथा शासनाधिकार, भारत का उच्च रक्षा संगठन 18. कृषि, बागवानी, वानिकी एवं पशुपालन के मुद्दे।
10 मार्च 2025	**FLT 12 (Full GS 4)**	1. **नीतिशास्त्र तथा मानवीय अंत:** संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सारतत्त्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम, निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र। **मानवीय मूल्य**- महान नेताओं, सुधारकों और प्रशंसकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा, मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका। 2. **अभिवृत्ति:** अंतर्वस्तु (कंटेंट), संरचना, कार्य, विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध, नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि, सामाजिक प्रभाव और सहमति पैदा करना। 3. सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा गैर-तरफदारी, वस्तुनिष्ठता, सार्वज. निक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा करुणा। 4. **संवेगात्मक बुद्धि:** अवधारणाएँ तथा आयाम, प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनकी उपयोगिता और प्रयोग। 5. भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों का योगदान। 6. **लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र:** स्थिति तथा समस्याएँ, सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक सरोकार तथा दुविधाएँ, नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, नियमन तथा अंतर्रात्मा, जवाबदेही तथा नैतिक शासन व्यवस्था में नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे, कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था। 7. **शासन व्यवस्था में ईमानदारी:** लोक सेवा की अवधारणा, शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक-निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ। 8. उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)।
13 मार्च 2025	**FLT 13 (निबंध)**	निबंध के प्रश्न-पत्र में तीन खंड होंगे। अभ्यर्थियों को प्रत्येक खंड से एक-एक विषय पर 700 शब्दों में निबंध लिखना होगा। प्रत्येक खंड 50-50 अंकों का होगा। तीनों खंडों में निम्नलिखित विषयों पर आधारित निबंध के प्रश्न होंगे: **खंड (क):** 1. साहित्य और संस्कृति 2. सामाजिक क्षेत्र 3. राजनीतिक क्षेत्र **खंड (ख):** 1. विज्ञान, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी 2. आर्थिक क्षेत्र 3. कृषि, उद्योग एवं व्यापार **खंड (ग):** 1. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम 2. **प्राकृतिक आपदाएँ:** भू-स्खलन भूकंप, बाढ़, सूखा आदि। 3. राष्ट्रीय विकास योजनाएँ एवं परियोजनाएँ

तिथि	टेस्ट	पाठ्यक्रम
17 मार्च 2025	**FLT 14 (Full Paper-5 UP Special Paper 1**	1. उत्तर प्रदेश का इतिहास, सभ्यता, संस्कृति एवं प्राचीन नगर। 2. उत्तर प्रदेश की वास्तुकला, उसकी महत्ता एवं रख-रखाव, संग्रहालय, अभिलेखागार एवं पुरातत्व। 3. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में 1857 से पहले एवं बाद में उत्तर प्रदेश का योगदान। 4. उत्तर प्रदेश के सुविख्यात स्वतंत्रता सेनानी एवं व्यक्तित्व। 5. **उत्तर प्रदेश में ग्रामीण, शहरी एवं जनजातीय मुद्दे:** सामाजिक संरचना, त्योहार, मेले, संगीत, लोकनृत्य, भाषा एवं साहित्य/बोली, सामाजिक प्रथाएँ एवं पर्यटन। 6. **उत्तर प्रदेश की राजव्यवस्था**- शासन प्रणाली, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, विधान सभा एवं विधान परिषद, केंद्र-राज्य संबंध। 7. उत्तर प्रदेश में लोक सेवाएँ, लोक सेवा आयोग, लेखा परीक्षा, महान्यायवादी, उच्च्च न्यायालय एवं उसका अधिकार क्षेत्र। 8. उत्तर प्रदेश विशेष राज्य चयन मानदंड, राजभाषा, संचित निधि एवं आकस्मिक निधि, राजनीतिक दल एवं राज्य निर्वाचन आयोग। 9. **उत्तर प्रदेश में स्थानीय स्वशासन:** शहरी एवं पंचायती राज, लोकनीति, अधिकार संबंधी मुद्दे। 10. उत्तर प्रदेश सुशासन, भ्रष्टाचार निवारण, लोकायुक्त, सिटीजन चार्टर, ई-गवर्नेंस, सूचना का अधिकार, समाधान योजना। 11. उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार एवं इसका प्रभाव। 12. **उत्तर प्रदेश में सुरक्षा से जुड़े मुद्दे**- (i) उग्रवाद के प्रसार एवं विकास के बीच संबंध (ii) बाह्य, राज्य एवं अंतर राज्यीय सक्रियकों से आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौतियाँ पैदा करने में संचार नेटवर्कों, मीडिया एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स की भूमिका। (iii) साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियम, कालेधन को वैध बनाना एवं इसकी रोकथाम। (iv) विभिन्न सुरक्षा बल एवं एजेंसियाँ और उनके शासनादेश/ अधिकार-पत्र। (v) सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन, संगठित अपराधों का आंतकवाद से संबंध। 13. उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था एवं नागरिक अधिकार सुरक्षा। 14. उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय मुद्दे। 15. उत्तर प्रदेश में शिक्षा प्रणाली। 16. भारत के विकास में उत्तर प्रदेश की भूमिका। 17. उत्तर प्रदेश की समसामयिक घटनाएँ। 18. जल शक्ति मिशन एवं अन्य केंद्रीय योजनायें एवं उनका क्रियान्वयन। 19. **उत्तर प्रदेश में गैर सरकारी संगठन** (NGOs): मुद्दे, योगदान एवं प्रभाव। 20. उत्तर प्रदेश में पर्यटन: मुद्दे एवं संभावनाएँ। 21. **उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार:** इसके मुद्दे एवं इसका समाज में रोजगार एवं सामाजिक-आर्थिक विकास पर प्रभाव।
21 मार्च 2025	**FLT 15 (Full Paper-6 UP Special Paper 2)**	1. **उत्तर प्रदेश का आर्थिक परिदृश्य:** अर्थव्यवस्था एवं राज्य बजट की मुख्य विशेषताएँ, बुनियादी ढाँचा एवं भौतिक संसाधनों का महत्त्व। 2. उत्तर प्रदेश का व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग। 3. उत्तर प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाएँ, परियोजनाएँ एवं नियोजित विकास, मानव संसाधन एवं कौशल विकास। 4. उत्तर प्रदेश में निवेश मुद्दे एवं प्रभाव। 5. उत्तर प्रदेश की लोक वित्त एवं राजकोषीय नीति, कर एवं आर्थिक सुधार, एक जिला एक उत्पाद नीति। 6. उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा एवं गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की योजना एवं प्रबंधन। 7. उत्तर प्रदेश की जनांकिकी, जनसंख्या एवं जनगणना। 8. उत्तर प्रदेश में कृषि का व्यावसायीकरण एवं कृषि फसलों का उत्पादन। 9. उत्तर प्रदेश की नवीन वानिकी नीति। 10. उत्तर प्रदेश की कृषि एवं सामाजिक वानिकी। 11. उत्तर प्रदेश में कृषि विविधता, कृषि की समस्याएँ एवं उनका समाधान। 12. उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विकासीय सूचकांक। 13. **उत्तर प्रदेश का भूगोल :** भौगोलिक स्थिति, उच्चावच एवं संरचना, जलवायु, सिंचाई, खनिज, अपवाह प्रणाली एवं वनस्पति। 14. उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्य। 15. उत्तर प्रदेश में परिवहन तंत्र। 16. उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास, शक्ति संसाधन एवं अधोसंरचना। 17. उत्तर प्रदेश में प्रदूषण एवं पर्यावरण के मुद्दे, प्रदूषण नियंत्रण परिषद एवं इनके कार्य। 18. **उत्तर प्रदेश के प्राकृतिक संसाधन :** मृदा, जल, वायु, वन, घास-मैदान, आद्रभूमि। 19. उत्तर प्रदेश के जलवायु परिवर्तन एवं मौसम पूर्वानुमान से संबंधित मुद्दे। 20. **उत्तर प्रदेश के संदर्भ में अधिवास पारिस्थितिकी तंत्र**- संरचना एवं कार्य, समायोजन, जीव-जंतु एवं वनस्पतियाँ। 21. उत्तर प्रदेश में विज्ञान एवं तकनीक के मुद्दे, प्रसार एवं प्रयत्न। 22. उत्तर प्रदेश में जलीय कृषि, अंगूर की खेती, रेशम उत्पादन, पुष्प उत्पादन, बागवानी, वृक्षारोपण संस्कृति और उत्तर प्रदेश के विकास पर इनका प्रभाव। 23. उत्तर प्रदेश के विकास के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) का विकास।

तिथि	टेस्ट	पाठ्यक्रम
23 मार्च 2025	**FLT 16 (सामान्य हिंदी)**	दिये हुए गद्य खण्ड का अवबोध एवं प्रश्नोत्तर। • संक्षेपण। • सरकारी एवं अर्धसरकारी पत्र लेखन, तार लेखन, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, परिपत्र। • **शब्द ज्ञान एवं प्रयोग**– (क) उपसर्ग एवं प्रत्यय प्रयोग, (ख) विलोम शब्द, (ग) वाक्यांश के लिए एकशब्द, (घ) वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि, • लोकोक्ति एवं मुहावरे।

■■■■